राष्ट्र निर्माण में युवाओं की शक्ति सबसे बड़ी

नगालैंड में सीतारमण का संदेश—युवा ही भारत का भविष्य

नई दिल्ली, 16 नवबंर. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को नगालैंड में युवाओं को राष्ट्र निर्माण का मुख्य स्तंभ बताते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में भारत को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में युवा शक्ति निर्णायक भूमिका निभाएगी.

उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2047 के 'विकसित भारत' की नींव आज के ही युवा रखेंगे. अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान सीतारमण ने दीमापुर स्थित नगालैंड टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर में एआई एवं फ्यूचर स्किल्स एक्सीलेंस सेंटर का उद्घाटन किया और कहा कि केंद्र सरकार उत्तर-पूर्व के युवाओं को आधुनिक तकनीक में सक्षम बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है. उन्होंने बताया कि सेमीकंडक्टर, एआई और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में कॉर्पोरेट साझेदारियों से नए अवसर पैदा किए जा रहे हैं.

वित्त मंत्री ने अपने दौरे के दौरान वित्तीय समावेशन की दिशा में हो रहे प्रयासों की भी समीक्षा की. उन्होंने बताया कि प्रमुख बैंकों के साथ मिलकर एक ऋण आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य दूरस्थ इलाकों तक आसान ऋण सुविधा पहुँचाना है ताकि आर्थिक विकास में अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके. सीतारमण ने नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के साथ बैठक में आकांक्षी जिलों की प्रगति और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा की. उनके अनुसार, केंद्र सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि उत्तर-पूर्व के युवा आने वाले दशक में भारत की तकनीकी और आर्थिक प्रगति का नेतृत्व करें.

नगालैंड के दीमापुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अनिवार्य भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि देश अपने भविष्य को सुरक्षित तभी बना पाएगा, जब युवा एकजुट होकर नए कौशल, तकनीक और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ेंगे.

उन्होंने जोर दिया कि आने वाले वर्षों में भारत का तकनीकी विकास युवा प्रतिभाओं के हाथों से ही आकार लेगा. अपने संबोधन में सीतारमण ने बताया कि केंद्र सरकार उत्तर-पूर्व विशेषकर नगालैंड को टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है.

शीर्ष 10 में से 8 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,05,185 करोड़ बढ़ा

मुंबई, 16 नवंबर. घरेलू शेयर बाजारों में रही तेजी के कारण बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) पिछले सप्ताह 2,05,185 करोड़ रुपये बढ़ गया, जबकि अन्य दो का 39,414 करोड़ रुपये घट गया. बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह दूरसंचार क्षेत्र की कंपनी भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 55,653 करोड़ रुपये बढ़ गया. विविध क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमकैप में 54,941.84 करोड़ रुपये और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस के एमकैप में 40,758 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गयी. आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,834 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का 10,523 करोड़ रु. बढ़ा.

डब्ल्यूटीओ सुधारों में भारत का नेतृत्व तय

वैश्विक व्यापार व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और समावेशी बनाने की जरूरत

नई दिल्ली, 16 नवंबर. भारत ने एक बार फिर वैश्विक आर्थिक मंच पर अपनी भूमिका को मजबूत करने का संकेत दिया है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कार्यक्रम में स्पष्ट किया कि भारत विश्व व्यापार संगठन में आवश्यक सुधारों का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है.

उनका कहना है कि आने वाले समय में वैश्विक व्यापार व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और समावेशी बनाने की जरूरत है, और यह तभी संभव है जब सुधारों की प्रक्रिया में विकासशील और सबसे कम विकसित देशों की आवाज़ को प्रमुखता मिले. गोयल का यह बयान ऐसे समय आया है जब महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला ने भारत से संगठन में सुधारों का नेतृत्व करने का आग्रह किया है.

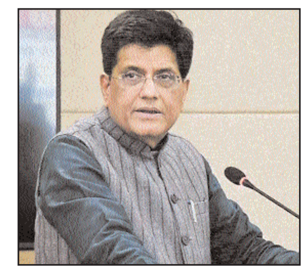

इसके जवाब में भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह सुधारों को आगे बढ़ाने में इच्छुक है, लेकिन यह प्रक्रिया संतुलित और वैश्विक कल्याण केंद्रित होनी चाहिए. भारत विश्व व्यापार संगठन में सुधारों की अगुवाई करने के लिए तैयार है. यह संकेत वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने विशाखापत्तनम में दिए, जहां वे सीआईआई के साझेदारी शिखर सम्मेलन 2025 में शामिल हुए थे. गोयल ने कहा कि एफटीए सुधारों का उद्देश्य केवल कुछ विकसित देशों के हित पूरे करना नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार प्रणाली को समावेशिता की दिशा में ले जाना होना चाहिए.

उन्होंने बताया कि सुधारों के लिए भारत विकासशील और सबसे कम विकसित देशों के साथ व्यापक परामर्श करेगा. यह बयान महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला की उस टिप्पणी के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत को संगठन के सुधारों में नेतृत्व की भूमिका निभानी चाहिए. गोयल ने इस बात को स्वीकार किया कि दुनिया आज भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव, उसकी आर्थिक मजबूती को मान्यता दे रही है. अमेरिका समेत कई विकसित देश एफटीए में विवाद निपटान तंत्र, विशेष एवं भिन्न उपचार और वार्ता के ढांचे में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं.

चावल, गेहूं, दालों में साप्ताहिक तेजी

चीनी नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 16 नवबंर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये. गेहूं और दालों के दाम भी चढ़ गये. चीनी सस्ती हुई जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया.

घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 76 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,818.29 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं 11 रुपये की मजबूती के साथ 2,857.13 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया. आटे की कीमत 3,312.86 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अस्थिर रही. बीते सप्ताह मूंगफली तेल औसतन 149 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया. सरसों तेल की औसत कीमत स्थिर रही. पाम ऑयल में 21 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त देखी गयी.

यूएलआईपी के जरिए बदलेगा आंध्र का लॉजिस्टिक्स सिस्टम

नई दिल्ली, 16 नवबंर. भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को डिजिटल युग में ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आंध्र प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के उपक्रम एनआईसीडीसी और एनएलडीएसएल के साथ एक बड़ा करार किया है. इस समझौते का उद्देश्य राज्य में लॉजिस्टिक्स सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल, तेज, सुलभ और डेटा-आधारित बनाना है. यह करार विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन के दौरान हुआ, जहां केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू स्वयं मौजूद रहे. इस समझौते के तहत यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म की मदद से एक मजबूत डिजिटल इकोसिस्टम तैयार किया जाएगा.

एफपीआई ने की 6,092 करोड़ की बिकवाली

पहले दो सप्ताह में इक्विटी बाजार में एफपीआई शुद्ध रूप से बिकवाल रहे

डेट बाजार में उन्होंने 6,397 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया

मुंबई, 16 नवंबर. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में अबतक इक्विटी बाजार में 6,092 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर के पहले दो सप्ताह में इक्विटी बाजार में एफपीआई शुद्ध रूप से बिकवाल रहे. उन्होंने इक्विटी बाजार से शुद्ध रूप से 6,092 करोड़ रुपये की निकासी की. वहीं, डेट बाजार में उन्होंने 6,397 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया.

म्यूचुअल फंड में इस महीने अबतक एफपीआई का शुद्ध निवेश 350 करोड़ रुपये रहा है. हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 79 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है. इस प्रकार कुल मिलाकर उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार में नवंबर में 575.87 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है.

इससे पहले अक्टूबर में भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार में 35,246 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था जबकि जून से सितंबर के बीच लगातार चार महीने तक वे बिकवाल रहे थे. इस पूरे कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में 48,789 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है.

जीएसटी सुधारों के बाद कृत्रिम धागों से बढ़ेगा उद्योग

कपड़ा उद्योग को मिलेगी गति

नयी दिल्ली, 16 नवंबर. वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत नयी पीढ़ी के सुधारों में कपास और कृत्रिम धागों (एमएमएफ) पर कर की दर एक समान पांच प्रतिशत कर दी गयी है जिससे कपड़ा उद्योग की रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है.

कपड़ा उद्योग पारंपरिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग रहा है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के सकल घरेलू उत्पाद में कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग का योगदान 2.3 प्रतिशत रहा. कुल औद्योगिक उत्पादन में इसका योगदान 13 प्रतिशत और निर्यात में 12 प्रतिशत है. भारत कपड़े और वस्त्रों का दुनिया में छठा सबसे बड़ा निर्यातक है. वित्त वर्ष 2023-24 में 34.4 अरब डॉलर का कपड़ा (तैयार वस्त्र और अन्य उत्पाद समेत) निर्यात किया गया था और इस क्षेत्र के वैश्विक व्यापार में देश की हिस्सेदारी 3.91 प्रतिशत है. कृषि के बाद यह सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है. इसमें 4.5 करोड़ लोग सीधे काम करते हैं. कपास उगाने में पानी की काफी खपत के कारण यह अधिक महंगा होता है. यही कारण है कि दुनिया में अब कृत्रिम धागे ही ज्यादा इस्तेमाल किये जाते हैं. जीएसटी के तहत सितंबर तक कपास पर पांच प्रतिशत और एमएमएफ पर 18 प्रतिशत कर लग रहा था. कारण देश में एमएमएफ का इस्तेमाल अब भी कपास से पीछे है. गत 22 सितंबर से लागू अगली पीढ़ी के सुधारों में अब कपास और एमएमएफ दोनों पर बराबर कर लगाया जा रहा है.

जीएसटी सुधारों से घरेलू बिक्री बढ़ेगी

डोडिया समूह के निदेशक भद्रेश डोडिया ने बताया कि जीएसटी सुधारों के बाद अब एमएमएफ को कॉटन से बेमेल प्रतिस्पर्धा नहीं करनी होगी. इससे कीमतें कम होंगी और निर्यात में भारती उत्पाद प्रतिस्पर्धी बनेंगे तथा घरेलू बिक्री बढ़ेगी. कॉटन और कृत्रिम धागों की तुलना पर उन्होंने कहा, यह सही है कि कपास का स्पर्श, संवेदन और वह जिस तरह से शरीर तक हवा पहुंचने देता है, किसी और कपड़े के लिए उसकी जगह लेना आसान नहीं होगा लेकिन आज कपड़ा उद्योग परिधान तक सीमित नहीं है. कई तरह के तकनीकी रूप से विकसित टेक्सटाइल हैं जो कृत्रिम धागों से ही बनते हैं क्योंकि उसमें विविधता ज्यादा मिलती है. श्री डोढ़िया ने कहा कि वैश्विक बाजार पहले ही एमएमएफ की तरफ बढ़ चुका है. कपास की अपनी मांग स्थिर बनी रहेगी, लेकिन आने वाले समय में उद्योग की वृद्धि एमएमएफ से ही आयेगी. उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर कपड़ा बाजार में एमएमएफ की हिस्सेदारी 73 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 43 प्रतिशत है. सरकार ने एमएमएफ को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं. इनमें उत्पादन आधारित प्रोत्साहन, राष्ट्रीय टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन और पीएम मित्रा प्रमुख हैं.

21,000 लगाओ-55,000 पाओ!

निवेश का बड़ा धोखा, मंत्री के नाम पर लूट की कोशिश

नई दिल्ली, 16 नवबंर. सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो तेजी से फैल रहा है, जो लोगों को आसानी से ठगी का शिकार बना सकता है. यह वीडियो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बताकर शेयर किया जा रहा है, जिसमें दावा है कि एक निवेश प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 21,000 लगाने से एक ही दिन में 55,000 का मुनाफा मिलेगा.

वीडियो इतना असली दिखता है कि पहली नजर में कोई भी इसे सच मान ले. लेकिन सरकार की प्रेस एजेंसी पीआईबी फैक्ट चेक ने साफ कर दिया है कि यह वीडियो पूरी तरह डिजिटल रूप से बदला हुआ है और इसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं. वित्त मंत्री ने ऐसी किसी योजना का न प्रचार किया है और न मंजूरी. लोगों को चेतावनी दी गई है कि ऐसे 'जल्दी अमीर' बनाने वाले दावों से सावधान रहें.

सोशल मीडिया पर फर्जी और भ्रामक सामग्री का फैलना कोई नई बात नहीं, लेकिन जब ऐसे वीडियो किसी शीर्ष सरकारी मंत्री से जुड़े हुए हों, तो खतरा और बढ़ जाता है. हाल ही में फेसबुक पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक निवेश प्लेटफॉर्म का प्रचार कर रही हैं.

सोने के भाव रहे स्थिर

नई दिल्ली, 16 नवबंर. देश में सोने और चांदी के दाम कल रविवार, 16 नवंबर को बिल्कुल शांत दिखाई दिए. शनिवार को आई तेज गिरावट के बाद उम्मीद की जा रही थी कि कल के भाव में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, लेकिन घरेलू सर्राफा बाज़ार ने निवेशकों को राहत दी. अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त टिप्पणी और कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव देखा गया था, जिसका असर भारतीय बाजारों पर भी पड़ा और सोना-चांदी दोनों बुरी तरह टूटे. हालांकि, सप्ताहांत पर ट्रेडिंग बंद होने की वजह से आज रेट स्थिर रहे.

आरबीआई के नये उपायों का निर्यातकों ने किया स्वागत

नई दिल्ली, 16 नवंबर. निर्यात संघों के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने वैश्विक बाजार के बदलावों से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातकों पर कर्ज और उधार के भुगतान का दबाव कम करने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कदमों को बड़ी राहत बताते हुए इसका स्वागत किया है.

केंद्रीय बैंक ने निर्यात आय देश में लाने के लिए तय अधिकतम समय को नौ महीने से बढ़ाकर पंद्रह महीने कर दिया है. इसके साथ ही उसने निर्यात के लिए अग्रिम भुगतान प्राप्त होने पर माल को भेजने की अवधि एक वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दी है.

फियो के एक बयान में कहा गया है कि इससे इस समय वैश्वक बाजार की कठिनाइयों से प्रभावित क्षेत्रों के निर्यातकों पर ऋण चुकाने का दबाव हल्का होगा और वे रोजमर्रा के काम काज की ऋण सुविधाओं से धन निकासी को नये ढंग से पुनर्व्यवस्थित करने का मौका मिलेगा. केंद्रीय बैंक ने बाजार की बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित कुछ निर्यात क्षेत्रों को द्वारा लिए गये ऐसे कुछ मियादी कर्ज के भुगतान और कामकाजी पूंजी के लिए लिए गये कर्जों पर ब्याज की वसूली को रोक दिया है अथवा टाल दिया है जिनका भुगतान इस साल एक सितंबर से 31 दिसंबर के बीच किया जाना था. फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, आरबीआई के इन फैसलों से निर्यात कारोबार को बड़ी राहत मिलेगी.

नए चेहरों की मांग-पुराने से मोहभंग

मुंबई. भंडारा में आगामी नगर परिषद चुनाव को लेकर शहर में इस बार अलग ही माहौल देखने को मिल रहा है. अब तक राजनीतिक दलों द्वारा बार-बार एक ही पुराने चेहरों को चुनाव मैदान में उतारने की परंपरा पर नागरिक सवाल उठा रहे हैं. शहर में यह चर्चा तेज है कि यदि युवा, सक्षम और नए चेहरों को मौका दिया जाए, तो शहर के विकास की दिशा पूरी तरह बदल सकती है. स्थानीय नागरिकों और जानकारों का कहना है कि वर्षों से सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही दल एक जैसे उम्मीदवारों को उतारते रहे हैं. कई नेताओं ने दल बदलकर अपनी सक्रियता बनाए रखी है, लेकिन इसके बावजूद शहर की बुनियादी समस्याओं पर कोई ठोस काम नहीं हुआ है. सड़कों की बदहाली, बढ़ता अतिक्रमण, कचरे के ढेर और यातायात अव्यवस्था जैसी समस्याएँ पहले से अधिक गंभीर होती जा रही हैं.

बंगाल में बूथों पर भाजपा के पास लोग नहीं

कोलकाता. चुनाव आयोग ने जब से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दूसरे चरण का ऐलान किया और 12 राज्यों व केंद्र शासित राज्यों में इसकी शुरुआत हुई है तब से पश्चिम बंगाल में विवाद खत्म ही नहीं हो रहा है. एक तरफ चुनाव आयोग का दावा है कि 75 फीसदी मतदाताओं के पास मतगणना प्रपत्र पहुंच गया है तो दूसरी ओर ममता बनर्जी की पार्टी इसके विरोध में या इससे लड़ने में लगी है. ताजा विवाद बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति को लेकर छिड़ा है. चुनाव आयोग ने बूथ लेवल एजेंट्स यानी बीएलए की नियुक्ति की शर्तों में थोड़ी ढील दी है. अब ममता बनर्जी और उनकी पार्टी का कहना है कि ऐसा भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए हुआ है.

बिहार चुनाव में पीके के प्रदर्शन से उठे सवाल

नई दिल्ली. राजनीति में प्रशांत किशोर की छवि कुछ वक्त पहले बेहतरीन चुनावी रणनीतिकार के रूप में देखी जाती थी. पीके को कई राजनीतिक दलों और नेताओं की चुनावी सफलताओं का स्क्रिप्ट राइटर माना जाता है लेकिन उनका सबसे बड़ा दांव बिहार में बुरी विफल साबित हुआ है. चुनावी नतीजों ने जनसुराज के एक भी कैंडिडेट को जीत नहीं मिली.

तीन साल पहले जब चंपारण से अपनी पदयात्रा शुरू करने वाले प्रशांत किशोर ने बेरोजगारी और पलायन जैसी समस्याओं से राज्य को मुक्ति दिलाने का वादा किया था. तो वह अपनी बोलने की बेहतरीन कला, सत्ता पक्ष पर हमला और वादों के कारण सुर्खियों में आए. साथ ही उन्होंने पूरे चुनाव अभियान के दौरान जनता से वादा किया कि वह बिहार से पलायन रोकने की दिशा में काम करेंगे. बिहार में क्यों चर्चा में थे ?- प्रशांत किशोर की लोकप्रियता में और इजाफा इस बात से हुआ कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे बड़े नेताओं के साथ काम किया था, साथ ही कई राज्यों में मुख्यमंत्रियों के लिए चुनावी कैंपेन कर उन्हें जीत दिलाई.

मोतीलाल ओसवाल होम फाइनेंस लिमिटेड

रजिस्टर्ड कार्यालय- मोतीलाल ओसवाल टॉवर, रहीमतुल्ला सयानी रोड, एसटी डिपो के सामने, प्रभादेवी, मुंबई-400025. ई-मेल- hfquery@motilaloaswal.com.
CIN: Number: U65923MH2013PLC248741

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति/यों के लिए)

(सिक्योरिटी इंटरेस्ट (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (1) के अंतर्गत)

चूंकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, मोतीलाल ओसवाल होम फाइनेंस लिमिटेड (औपचारिक रूप से एस्पायर होम फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अंतर्गत, तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ताओं को उक्त नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर उक्त नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने के लिए आह्वान करते हुए डिमांड नोटिस जारी किया है. निम्नलिखित उधारकर्ताओं द्वारा राशि वापस न किए जाने के कारण, निम्नलिखित उधारकर्ताओं और आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के अंतर्गत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के साथ नीचे उल्लिखित तिथि को नीचे वर्णित संपत्तियों पर कब्जा ले लिया है.

क्र.	ऋण अनुबंध संख्या/उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता/गारंटर का नाम	डिमांड नोटिस तिथि और कुल बकाया	कब्जे लेने की तिथि	अचल संपत्ति का विवरण संपत्ति के सभी भाग जिसमें शामिल है
1.	LXGUN00116-170023205 और LXMOHOF221-220613801 **उधारकर्ता-** किशन लाल धन्नालाल अहिरवार **सह-उधारकर्ता-** धर्मेंद्र कुमार धन्ना लाल अहिरवार	20-06-2025 / हेतु रु. 10,22,289/-	12.11.2025	सर्वे क्रमांक/- 518, वार्ड क्रमांक/- 02, 720 वर्गफुट, पालीवाल कॉलोनी, सिरोंज, विदिशा, सिरोंज के पास, विदिशा, मध्य प्रदेश-464228
2.	LXMOGUNA5523-240673625 **उधारकर्ता-** अंकेश राय **सह-उधारकर्ता-** सरस्वती देवी राय	24-07-2025 / हेतु रु. 19,32,714/-	12.11.2025	सर्वे क्रमांक 167/1 पटवारी हल्का नंबर 27, क्षेत्र एड. माप 600 वर्गफुट, अशोकनगर तहसील एवं जिला अशोकनगर गांधी पार्क रोड अशोक नगर, चिल्ड्रन प्ले स्कूल 473331 गुना मध्य प्रदेश.
3.	LXGUN00216-170044593 **उधारकर्ता-** चंद्रभान लखना सिंह यादव **सह-उधारकर्ता-** सरोजबाई लाखन सिंह यादव	09-07-2025 / हेतु रु. 2,56,642/-	12.11.2025	वार्ड क्रमांक 1 पीएच क्रमांक 28 क्रमांक 550/9 अशोक नगर अशोक नगर, अशोक नगर 473331 गुना मध्य प्रदेश.
4.	LXGUN03719-200075251 **उधारकर्ता-** नीरज कुमार सेन **सह-उधारकर्ता-** चिंटूलाल रामभरोसा सेन	09-01-2025 / हेतु रु. 6,74,504/-	11.11.2025	ग्राम कर्माखेड़ी पीएच 5 सर्वे क्रमांक 76/2/1 ग्राम कर्माखेड़ी-473001 गुना मध्य प्रदेश

विशेष रूप से उधारकर्ता और आम जनता को इस संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन मोतीलाल ओसवाल होम फाइनेंस लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जो कि ऊपर उल्लिखित राशि और उस पर ब्याज के लिए होगा. उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो कि सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में है.

स्थान: मध्य प्रदेश
दिनांक: 17.11.2025

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
मोतीलालओसवाल होम फाइनेंस लिमिटेड

In The Court Of VI Additional District and Session Judge, District Court, Gwalior

Presiding Officer: विवेक कुमार
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MCA/0000088/2023)
जगदीश....वादी
Vs
लाखाराम....प्रतिवादी
Process Id-14/2025
पेशी दिनांक: 17/12/2025

प्रेषिती
(1) संजय चौकसे पिता श्री आर.डी. चौकसे पता डी-701 पुष्पा नगर भोपाल म.प्र.

यह कि प्रार्थी जगदीश ने आपके विरूद्ध के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 12 November 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्र

न्यायाधीश
विवेक कुमार
षष्टम् जिला, न्यायाधीश, ग्वालियर (म.प्र.)

टिप्पणी-
कृपया ध्यान दें:
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)

IDFC FIRST Bank

(CIN-L65110TN2014PLC097792)

रजिस्टर्ड ऑफिस: केआरएम टॉवर्स, 8वां तल, हेरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई-600031
फोन: +91 44 4564 4000, **फैक्स:** +91 44 4564 4022

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना

निम्नलिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) से नीचे उल्लिखित सुरक्षित ऋण प्राप्त किए हैं. नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं के ऋण उनकी संबंधित संपत्तियों के बंधक द्वारा सुरक्षित किए गए हैं. चूंकि वे संबंधित ऋण समझौतों की शर्तों का पालन करने में विफल रहे हैं और अनियमित हो गए हैं, इसलिए उनके ऋण को आरबीआई दिशा-निर्देशों के अनुसार एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को उनके द्वारा देय राशि का उल्लेख संबंधित नोटिस के अनुसार किया गया है, जो विशेष रूप से निम्नलिखित तालिका में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे ब्याज भी लागू होगा और उसी पर संबंधित तिथियों से अनुबंध दर के अनुसार शुल्क लिया जाएगा.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेक्शन 13 (2) नोटिस तिथि	सेक्शन 13 (2) नोटिस अनुसार बकाया राशि
1.	112486050	संपत्ति पर ऋण	30.10.2025	रु. 5,74,434.04/-

देनदार और सह-देनदारों का नाम:- 1. अजय अहिरवार 2. रमेश अहिरवार

संपत्ति का पता: संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल, क्षेत्रफल 40 फीट × 30 फीट = 1200 वर्ग फीट (पट्टे के अनुसार), आबादी पुराना खसरा संख्या 272, मौजा ग्राम- रूपापुर, पीएच नंबर 26, आर.एन.एम. रामपुर, तहसील- इटारसी, जिला- नर्मदापुरम, होशंगाबाद, मध्य प्रदेश-461001, और सीमा- पूर्व- रोड, पश्चिम- रामविलास का मकान, उत्तर- रामबागास का मकान, दक्षिण- कमलकिशोर का मकान.

क्र. सं.	लोन एकाउंट नं.	लोन का प्रकार	सेक्शन 13 (2) नोटिस तिथि	सेक्शन 13 (2) नोटिस अनुसार बकाया राशि
2.	55340182	संपत्ति पर ऋण	31.10.2025	रु. 3,05,904.25/-

देनदार और सह-देनदारों का नाम:- 1. कमलेश रघुवंशी 2. सुमंतराबाई रघुवंशी

संपत्ति का पता: संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल क्षेत्र 900 वर्गफीट स्थित आबादी खसरा नं. 104, मौजा-गांव- मुहारी खुर्द, प.ह.नं. 40, तहसील- पिपरिया, जिला- होशंगाबाद, मध्य प्रदेश-461775, और इसकी सीमा इस प्रकार है-पूर्व- रज्जो बाई का घर, पश्चिम- राजकुमार का बाड़ा, उत्तर- दुर्गा प्रसाद का बाड़ा, दक्षिण- सड़क.

आपको उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए विवरण के अनुसार आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को संबंधित तिथियों से अनुबंधित ब्याज दर तथा अन्य लागत, प्रभार आदि के साथ इस प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा नीचे हस्ताक्षरकर्ता को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को देय राशि वसूलने के लिए ऊपर उल्लिखित बंधक संपत्तियों के विरुद्ध एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (4) तथा धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही आरंभ करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है). इसके अलावा, आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के तहत बिक्री / पट्टे या अन्यथा के माध्यम से उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है.

दिनांक: 17.11.2025
स्थान: मध्यप्रदेश

एसडी/-
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)